



माननीय उप राज्यपाल दो दिवसीय दौरे पर स्वराज द्वीप पहुँचे

द्वीप के विकास एवं लंबित मुद्दों की समीक्षा की, सीपोर्ट टर्मिनल की सुविधाओं का किया निरीक्षण

स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए 10 नए कमरों के निर्माण का निर्देश, चार नए कमरों के निर्माण, तथा एक कमरे में आंगनवाड़ी केंद्र की व्यवस्था करने के निर्देश

‘जन संवाद’ कार्यक्रम में स्थानीय समस्याओं की सुनवाई और नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश

स्वराज द्वीप में नए जेटी निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति दिलाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे

राजकीय माध्यमिक विद्यालय, कृष्णा नगर मे तीन अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण का शिलान्यास



श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा ने आज स्वराज द्वीप का दो दिवसीय दौरा प्रारंभ किया। स्वराज द्वीप पहुँचने पर हेलीपैड पर उनका गार्ड ऑफ ऑनर देकर तथा पारंपरिक एवं सांस्कृतिक तरीके से स्वागत किया गया। अपने दौरे के दौरान माननीय उप राज्यपाल ने द्वीप में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने, स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं का जायजा लेने, पर्यटन और परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा स्थानीय नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देने पर विशेष ध्यान दिया।

दौरे के प्रारंभ में माननीय उप राज्यपाल ने द्वीप में चल रहे विकास कार्यों, कूड़ा प्रबंधन, कानून-व्यवस्था तथा लंबित जन समस्याओं के निराकरण के संबंध में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए तथा आम नागरिकों से जुड़े मामलों का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के बाद माननीय उप राज्यपाल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, गोविंद नगर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं और उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा दवाओं की उपलब्धता, जन औषधि केंद्र की रक्षापान और चिकित्सा एवं अन्य कर्मचारियों की स्थिति की समीक्षा

की। स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के रूप में उन्नत करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, 40 प्रकार की जांच करने में सक्षम ऑटोमैटिक एनालाइजर स्थापित करने, एक्स-रे मशीन की तत्काल मरम्मत कराने, कंप्यूटर एवं वाई-फाई की व्यवस्था करने तथा पिछले दो वर्षों से लंबित डीजी सेट को शीघ्र चालू कराने पर जोर दिया। उन्होंने डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए 10 नए कमरों के निर्माण, ऑपरेशन थिएटर शुरू करने तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए, ताकि द्वीप के निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा के पश्चात माननीय उप राज्यपाल ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोविंद नगर का दौरा किया और विद्यार्थियों से आत्मीयतापूर्वक बातचीत की। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन बनाए रखने तथा अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित किया। विद्यालय की आधारभूत सुविधाओं में सुधार के संबंध में उन्होंने चार नए कमरों के निर्माण, शिक्षकों के आवास की मरम्मत तथा एक कमरे में आंगनवाड़ी केंद्र की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए नए बैडमिंटन कोर्ट के निर्माण, स्कूल वैन उपलब्ध कराने तथा विद्यालय में वाणिज्य (कॉमर्स) विषय शुरू करने के प्रस्ताव पर आवश्यक कार्रवाई

करने को भी कहा।

शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने के बाद माननीय उप राज्यपाल ने स्वराज द्वीप स्थित सीपोर्ट टर्मिनल का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आधुनिक एवं वातानुकूलित टर्मिनल से पर्यटकों को अधिक सुविधाजनक अनुभव मिलेगा, पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावनाएं बढ़ेंगी। टर्मिनल के आसपास यातायात जाम की समस्या को कम करने के लिए उन्होंने पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही, स्वराज द्वीप में नए जेटी निर्माण के प्रस्ताव को केंद्र सरकार से शीघ्र स्वीकृति दिलाने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

सीपोर्ट टर्मिनल के निरीक्षण के क्रम में द्वीप में पर्यटकों की आवाजाही को अधिक सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से माननीय उप राज्यपाल ने माननीय सांसद की उपस्थिति में तीन वातानुकूलित हॉप-ऑन हॉप-ऑफ बसों का शुभारंभ किया। इस सुविधा के अंतर्गत पर्यटक एक ही किराये पर पूरे दिन द्वीप के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे। इससे पर्यटन व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने और पर्यटकों के अनुभव को बेहतर करने में सहायता मिलेगी।

पर्यटन सुविधाओं के साथ-साथ स्थानीय निवासियों की बुनियादी आवश्यकताओं पर ध्यान देते हुए माननीय उप राज्यपाल ने कृष्णा नगर, श्याम नगर एवं विजय नगर क्षेत्रों में जलापूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़

करने के लिए 2 लाख लीटर क्षमता वाले ओवरहेड जल टैंक की आधारशिला भी रखी। इस परियोजना से संबंधित क्षेत्रों में जलापूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहायता मिलने की उम्मीद है।

दौरे के दौरान माननीय उप राज्यपाल ने श्याम नगर स्थित पंचायत सामुदायिक भवन में आयोजित ‘जन संवाद’ कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों से बातचीत की और उनकी समस्याओं एवं मांगों को सुना। इस दौरान विजय नगर में श्मशान घाट की व्यवस्था, एलिफेंट बीच पर जलक्रीड़ा संचालकों से संबंधित समस्याओं तथा कृष्णा नगर में सड़कों की मरम्मत जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए गए। इन समस्याओं पर विचार करते हुए माननीय उप राज्यपाल ने जेटी से कालापत्थर तथा राधानगर तक सड़क निर्माण के लिए 19 करोड़ रुपए की स्वीकृति, 2 मेगावाट विद्युत संयंत्र के संचालन तथा गोविंद नगर मछली बाजार को 40 लाख रुपए की लागत से उन्नत करने से संबंधित घोषणाएं कीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण किया जाए तथा विकास कार्यों से जुड़े प्रस्तावों पर नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

माननीय उप राज्यपाल का स्वराज द्वीप का दो दिवसीय दौरा द्वीप में विकास कार्यों की समीक्षा करने, आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने, पर्यटन को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय नागरिकों की समस्याओं के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण रहा। दौरे के दौरान

माननीय उप राज्यपाल दो दिवसीय दौरे पर

—पृष्ठ 1 का शेष



स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, पर्यटन, जलापूर्ति, सड़क एवं विद्युत सुविधाओं से संबंधित विषयों पर विशेष ध्यान दिया गया। माननीय उप राज्यपाल ने अधिकारियों को जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने और नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अपने प्रथम दिवसीय स्वराज द्वीप दौरे के अंतिम चरण में राजकीय माध्यमिक विद्यालय, कृष्णा नगर में शैक्षणिक सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तीन अतिरिक्त कक्षाओं के निर्माण का शिलान्यास किया। इस पहल से विद्यालय में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा विद्यार्थियों को



बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। इसके पश्चात अण्डमान के एकमात्र 'ब्लू फ्लैग' प्रमाणित राष्ट्रिय मानक तट का निरीक्षण किया। पर्यटकों के लिए पार्किंग, जन-सुविधाओं और सुरक्षा संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

इस अवसर पर माननीय सांसद श्री विष्णु पद राय, उपायुक्त, दक्षिण अण्डमान, सचिव परिवहन, सचिव पर्यटन, सचिव शिक्षा, पुलिस अधीक्षक, दक्षिण अण्डमान, निदेशक ग्रामीण विकास, उप मंडल अधिकारी, ग्राम प्रधान श्री अजीत कुमार राय सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।



अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय उप राज्यपाल डॉ. दिनेश शर्मा जी ने लोक निवास, श्री विजय पुरम में विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था के संबंध में आहूत समीक्षा बैठक में कानून व्यवस्था की वर्तमान स्थिति, मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना, नशाखोरी के खिलाफ व्यापक अभियान की कार्य योजना तथा पूर्व में विकास कार्यों के संबंध में दिये गए निर्देशों की प्रगति की समीक्षा की।

पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा तथा सतत पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने में वन एवं पर्यावरण विभाग की सराहना

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के वन एवं पर्यावरण विभाग ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में पर्यावरण जागरूकता, वन्यजीव संरक्षण तथा सतत पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सप्ताह भर आयोजित विभिन्न गतिविधियों के समापन के अवसर पर कल समापन समारोह का आयोजन किया।

समारोह में अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के मुख्य सचिव श्री ज्ञानेश भारती, भा.प्र.से., मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री संजय कुमार सिन्हा, भा.व.से., प्रधान मुख्य वन संरक्षक (अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह) तथा श्री रवि होरो, भा.व. से., प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एवं मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक, सम्मानित अतिथि के रूप में समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण विभाग तथा प्रशासन के अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य सचिव ने सप्ताहव्यापी कार्यक्रम और विभिन्न गतिविधियों का सफलतापूर्वक आयोजन करने के लिए पर्यावरण एवं वन विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने द्वीपसमूह में पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा तथा सतत पारिस्थितिकी पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

मुख्य सचिव ने इस अवसर पर जारी किए गए प्रकाशनों तथा शुरू की गई डिजिटल पहलों के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने सुझाव दिया कि इस अवसर पर जारी की गई पुस्तकों को विद्यालयों और महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में उपलब्ध कराया जाए, ताकि विद्यार्थियों और युवा पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़े तथा संरक्षण की भावना विकसित हो।

डॉ. एस. दिनेश कन्नन, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता की सुरक्षा तथा सतत विकास के महत्व पर अपने विचार साझा किए और इन क्षेत्रों में प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

समारोह का एक प्रमुख आकर्षण समुद्री कछुआ संरक्षण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी करना तथा समुद्र तटों की सफाई संबंधी रिपोर्ट का शुभारंभ रहा।

इस अवसर पर अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के आधिकारिक पारिस्थितिकी पर्यटन पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया। यह पोर्टल <https://ecotourism.andamannicobar.gov.in> पर उपलब्ध है। इसे पर्यटकों को द्वीपसमूह के विभिन्न पारिस्थितिकी



पर्यटन स्थलों की यात्रा की योजना बनाने के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। पोर्टल पर पर्यटन स्थलों के खुलने और बंद होने का समय, प्रवेश शुल्क, भ्रमण के लिए अनुकूल मौसम तथा अन्य संबंधित जानकारी उपलब्ध है। इस पहल से पर्यटन संबंधी जानकारी तक पहुँच आसान होने, यात्रा की बेहतर योजना बनाने तथा जिम्मेदार और सतत पर्यटन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इस अवसर पर वन प्रहरी ऐप भी शुरू किया गया। यह ऐप गश्ती गतिविधियों तथा क्षेत्र स्तर पर किए जाने वाले अन्य कार्यों की निगरानी में सहायता करेगा। इससे निगरानी व्यवस्था सुदृढ़ होने तथा वन संरक्षण और कानून प्रवर्तन संबंधी गतिविधियों की कार्यक्षमता में सुधार होने की अपेक्षा है।

समारोह में 'बिर्योन्ड बीच क्लीनिंग' (बीबीसी) परियोजना के अंतर्गत 19 सितंबर से 6 अक्टूबर तक अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में चलाए गए समुद्र तट सफाई अभियान के परिणामों को भी रेखांकित किया गया। इस अभियान के दौरान तटीय क्षेत्रों को स्वच्छ बनाए रखने, समुद्री पर्यावरण की रक्षा करने तथा पर्यावरणीय जिम्मेदारी को बढ़ावा देने के प्रयासों के तहत द्वीपसमूह के लगभग 120 समुद्र तटों की सफाई की गई। यह पहल तटीय एवं समुद्री संरक्षण के प्रति विभाग की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। साथ ही, इसका उद्देश्य द्वीपसमूह के समुद्र तटों को स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त रखने के महत्व के संबंध में आम जनता में जागरूकता बढ़ाना भी है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार समारोह का समापन श्री जोजो पी. अलापट्ट, वन संरक्षक (वन्यजीव) का बहानवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

दक्षिण अण्डमान ज़िले में दुर्गा पूजा समारोह—2026

पूजा समितियों एवं आयोजकों के लिए दिशा—निर्देश जारी

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

आगामी दुर्गा पूजा समारोह—2026, जो 18 अक्टूबर, 2026 से प्रारंभ होकर प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ संपन्न होगा, के मद्देनजर दक्षिण अण्डमान ज़िला प्रशासन ने त्योहार का शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने के लिए सभी दुर्गा पूजा समितियों एवं आयोजकों हेतु निम्नलिखित दिशा—निर्देश जारी किए हैं।

यहाँ प्राप्त एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सभी पूजा समितियों एवं आयोजकों को निर्धारित सुरक्षा मानकों, वैधानिक नियमों तथा सक्षम प्राधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

कड़ाई से पालन किए जाने वाले प्रमुख दिशा—निर्देश

- शराब एवं नशीले पदार्थों के सेवन पर प्रतिबंध: शराब या किसी अन्य नशीले पदार्थ के प्रभाव में रहने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रतिमा विसर्जन जुलूस में शामिल होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पूजा समिति के सदस्यों, स्वयंसेवकों, वाहन चालकों तथा अन्य प्रतिभागियों द्वारा शराब एवं नशीले पदार्थों का सेवन पूर्णतः प्रतिबंधित है। पूजा समितियों के सदस्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि पूरे समारोह तथा विसर्जन जुलूस के दौरान अनुशासन बनाए रखने के लिए पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवक तैनात रहें।
- ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग पर प्रतिबंध: ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग रात्रि 10 बजे (2200 बजे) तक अनिवार्य रूप से बंद कर दिया जाएगा। ध्वनि का स्तर निर्धारित अनुमैय सीमा के भीतर रखा जाएगा तथा केवल भक्ति संगीत ही बजाया जाएगा। किसी भी प्रकार के उल्लंघन पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
- विसर्जन जुलूस में सीमित संख्या में लोगों की भागीदारी: प्रत्येक प्रतिमा के विसर्जन के लिए उसके साथ केवल सीमित एवं आवश्यक संख्या में लोगों को जाने की अनुमति होगी। पूजा

समितियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि अनावश्यक भीड़ एवं अत्यधिक जमावड़ा न हो तथा विसर्जन जुलूस सुव्यवस्थित ढंग से निकाला जाए।

4. दुर्गा प्रतिमाओं की ऊँचाई: ऊपर से गुजरने वाली उच्च तनाव वाली विद्युत लाइनों से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए दुर्गा प्रतिमाओं की ऊँचाई 16 फीट से कम रखी जाएगी।

5. अग्नि सुरक्षा की व्यवस्था: सभी पूजा पंडालों में अग्निशामक यंत्रों, रेत तथा पानी से भरी बाल्टियों सहित पर्याप्त अग्निशमन उपकरण आसानी से उपलब्ध रखे जाएंगे। रस्सों की व्यवस्था पंडालों से सुरक्षित दूरी पर की जाएगी तथा अग्नि सुरक्षा से संबंधित सभी आवश्यक सावधानियों का पालन किया जाएगा।

6. विद्युत सुरक्षा: सभी विद्युत प्रतिष्ठापनों में उचित अर्थिंग के साथ आईएसआई चिह्नित विद्युतरोधी तारों का उपयोग किया जाएगा। पूजा समितियों को विद्युत विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण—पत्र (एनओसी) प्राप्त करना होगा। सजावटी रोशनी सड़कों के आर—पार नहीं लगाई जाएगी तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और आवश्यक विद्युत बैकअप की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

7. यातायात एवं विसर्जन मार्ग का प्रबंधन: सभी पूजा समितियों को निर्धारित विसर्जन मार्गों के संबंध में पुलिस विभाग के साथ समन्वय करना होगा तथा विसर्जन की तिथि एवं समय के बारे में अधिकारियों को पहले से सूचित करना होगा।

8. आधिकारिक अनुमतियों का अनुपालन: सभी पूजा समितियों को समारोह एवं विसर्जन जुलूस आयोजित करने से पहले संबंधित विभागों से आवश्यक अनुमतियाँ एवं स्वीकृतियाँ प्राप्त करनी होंगी। आवेदन प्राप्त करने एवं उनकी प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए ज़िला नियंत्रण कक्ष में एकल खिड़की सुविधा केंद्र स्थापित किया जा रहा है। इस केंद्र के माध्यम से आवश्यक विभागीय अनापत्तियाँ प्राप्त करने के बाद समेकित अनुमतियाँ जारी करने की व्यवस्था की जाएगी।

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन का पर्यटन निदेशालय, सतत पर्यटन प्रथाओं पर कोच, कैब और ऑटो चालकों व पर्यटक परिवहन संचालकों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह कार्यक्रम 'रेजिंग एंड एक्सेलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस

(आरएमपी) टूरिज्म इंटरवेंशन 2026—27' के अंतर्गत आता है। सीटें सीमित हैं। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस संबंध में निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र गूगल लिंक <https://forms.gle/K5vnXZZLdzmqjXo79> पर 23 अक्टूबर, 2026 को सायं 3 बजे तक या उससे पहले जमा किया जा सकता है।

स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन पर चौथी जागरूकता कार्यशाला सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन (एचटीए) संसाधन केंद्र, आईसीएमआर—राष्ट्रीय क्षय रोग अनुसंधान संस्थान (एनआईआरटी), चेन्नई ने स्वास्थ्य सेवा निदेशालय (डीएचएस) तथा आईसीएमआर—क्षेत्रीय आर्युविज्ञान अनुसंधान केंद्र (आरएमआरसी), श्री विजय पुरम के सहयोग से कल आईसीएमआर—आरएमआरसी, श्री विजय पुरम के सम्मेलन कक्ष में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन (एचटीए) पर चौथी जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया।

अपने मुख्य संबोधन में आईसीएमआर—आरएमआरसी, श्री विजय पुरम के निदेशक डॉ. अपारूप ने स्वास्थ्य संबंधी निर्णयों को बढ़ावा देने में डीएचआर की भूमिका के बारे में जानकारी दी। 'स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन: साक्ष्य से निर्णय लेने तक' विषय सूचित निर्णय लेने में साक्ष्य—आधारित दृष्टिकोण के महत्व पर प्रकाश डाला।

तकनीकी सत्रों में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं। की सफल पहलों के उदाहरण प्रस्तुत किए। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार संसाधन नई दिल्ली स्थित स्वास्थ्य अनुसंधान-विभाग (डीएचआर) 1 न विशेषज्ञों एवं कार्यशाला में भाग लेने वाले विभिन्न हितधारकों के बीच के एचटीए संचालन के वैज्ञानिक—सी डॉ. बालू वेणुगोपाल संवादात्मक चर्चा भी हुई। इसमें अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में स्वास्थ्य ने 'भारत में स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी आकलन: एक अवलोकन' प्रौद्योगिकी आकलन संबंधी गतिविधियों को शुरू करने तथा उन्हें संस्थागत रूप एवं एचटीए में डीएचआर की भूमिका' विषय पर व्याख्यान देने की व्यवहार्यता पर विचार—विमर्श किया गया।



अवसर पर पूर्व कमांडर—इन—चीफ, पूर्व सैनिक तथा विशिष्ट अतिथि भी उपस्थित रहे। विशिष्ट सेवा और उत्कृष्ट योगदान के लिए विभिन्न इकाइयों को प्रशस्ति—पत्र तथा सराहना—पत्र भी प्रदान किए गए। अण्डमान तथा निकोबार कमान की रजत जयंती के अवसर पर एक स्मारक प्रथम दिवस आवरण जारी किया गया। इसके माध्यम से कमान की 25 वर्षों की यात्रा तथा देश की समुद्री सुरक्षा में उसके महत्वपूर्ण योगदान का स्मरण किया गया। इसके अतिरिक्त, 'रणनीतिक सीमांत और शक्ति के समुद्री क्षेत्र के रूप में एएनसी का भविष्य' विषय पर रणनीतिक नेतृत्व सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें वरिष्ठ सैन्य नेतृत्व और विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के बदलते रणनीतिक महत्व और कमान की भावी भूमिका पर विचार—विमर्श किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार रजत जयंती समारोहों के माध्यम से पिछले 25 वर्षों में कमान में सेवा देने वाले सभी सैन्यकर्मियों की गौरवशाली विरासत को सम्मानित किया गया। इनमें राष्ट्र की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैन्यकर्मी भी शामिल हैं। पूर्व सैनिकों की उपस्थिति ने पीढ़ी—दर—पीढ़ी सेवा की निरंतरता की पुष्टि की और अण्डमान तथा निकोबार कमान की समृद्ध विरासत और उसकी स्थायी सैन्य परंपराओं को रेखांकित किया।

छूटे हुए एवं युवा/पहली बार पात्र मतदाताओं के नामांकन के लिए विशेष शिविर आज

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सूचित किया है कि 10 अक्टूबर, 2026 (शनिवार) को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर छूटे हुए तथा युवा/पहली बार पात्र मतदाताओं के नामांकन के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह पूरे दिन चलने वाला अभियान पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

शिविर के दिन बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने-अपने मतदान केंद्रों पर सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपस्थित रहेंगे तथा नागरिकों की सहायता करने और मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन प्राप्त करने का कार्य करेंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति में सभी छूटे हुए मतदाता तथा युवा/पहली बार पात्र मतदाता अपने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को प्रपत्र–6 प्रस्तुत कर मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। नामांकन के लिए आवेदन भारत के निर्वाचन आयोग के मतदाता सेवा पोर्टल https://voters.eci.gov.in/ के माध्यम से ऑनलाइन भी जमा किया जा सकता है अथवा मतदाता सेवाओं के लिए ईसीआईनेट ऐप डाउनलोड किया जा सकता है।

किसी भी सहायता के लिए नागरिक अपने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क कर सकते हैं अथवा मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क कर सकते हैं।

शहीद द्वीप में चार दिवसीय ब्लॉक–सह–खाद्य मेले का शुभारंभ

शहीद द्वीप, 9 अक्टूबर। दीनदयाल अंत्योदय योजना–राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई–एनआरएलएम) के अंतर्गत सामुदायिक विकास खंड, प्रोथरापर द्वारा आयोजित चार दिवसीय ब्लॉक–सह–खाद्य मेला–2026 का शुभारंभ शहीद द्वीप के नील केंद्र स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के मैदान में पंचायत समिति, प्रोथरापुर की प्रमुख श्रीमती चंपा दास ने किया।

मेले के उद्घाटन दिवस पर बड़ी संख्या में लोग पहुँचे, जो स्थानीय समुदाय के उत्साह और रुचि को दर्शाता है। इस मेले का आयोजन स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों की मेहनत, रचनात्मकता और उद्यमशील पहलों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया गया है। इसके माध् यम से उन्हें अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने, ग्राहकों से जुड़ने तथा आजीविका के नए अवसर तलाशने के लिए एक मंच उपलब्ध कराया जा रहा है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार उद्घाटन समारोह को शहीद द्वीप के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत

जेएनआरएम के अंग्रेज़ी विभाग के साहित्यिक क्लब द्वारा ‘एक्सप्रेशन्स 2026’ का आयोजन

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर। यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) के अंग्रेजी विभाग के साहित्यिक क्लब द्वारा महाविद्यालय में एक सप्ताह तक चलने वाले साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम ‘एक्सप्रेशन्स 2026’ का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को अनेक प्रतियोगिताओं एवं प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी रचनात्मकता, साहित्यिक कौशल और प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान किया। कार्यक्रम का समन्वय अंग्रेजी विभाग की सहायक प्राध् यापक डॉ. कुसुम कुमारी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उनके स्वागत संबोधन से हुआ। इसके बाद जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास ने ‘द वॉयस दैट इंस्पायर्स’ (प्रेरणादायी आवाज़) विषय पर संबोधन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में साहित्यिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया।

यहाँ प्राप्त एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सप्ताह भर चले इस कार्यक्रम में ‘सेल द इम्पॉसिबल’, ‘स्टोरीज़ ऑफ इंडिया’, प्रश्नोत्तरी, प्रतीक चिह्न डिजाइन, वाद–विवाद, स्पेल बी, ‘ग्लोबल स्टोरीज़’, ‘ट्रेश टू ट्रेज़र’, ‘रिपन द व्हील’ तथा कविता पाठ जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों को साहित्य की विभिन्न विद्ाओं को जानने, संचार एवं आलोचनात्मक चिंतन कौशल विकसित करने तथा रचनात्मक एवं संवादात्मक माध्यमों से अपने विचार व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस कार्यक्रम में पौराणिक कथाओं, काल्पनिक साहित्य एवं समकालीन संस्कृति से प्रेरित प्रस्तुतियों भी शामिल थीं। ‘राइज़ ऑफ द गार्जियंस’, ‘गेम ऑफ थ्रोन्स’, ‘द

जेएनआरएम में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 9 अक्टूबर, 2026 को यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति द्वारा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इस विषय पर खुलकर बातचीत को प्रोत्साहित करना तथा विद्यार्थियों के बीच भावनात्मक कल्याण के महत्व को रेखांकित करना था।

इस अवसर पर जेएनआरएम की प्राचार्या डॉ. पर्ल देवदास उपस्थित रहीं। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की महत्ता को बढ़ाया। इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को प्रभावशाली दृश्य संदेशों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के संबंध में अपने विचारों, दृष्टिकोणों एवं चिंताओं को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने का मंच प्रदान किया।



रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने और भी जीवंत बना दिया। उनकी प्रस्तुतियों ने आयोजन में उत्साह और उल्लास का वातावरण बनाया तथा दर्शकों की रुचि बढ़ाई। आम जनता को सादर आमंत्रित किया गया है कि वे 11 अक्टूबर तक चलने वाले इस मेले में आएँ, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को देखें तथा ज़मीनी स्तर पर की जा रही इन उद्यमशील पहलों को अपना सहयोग प्रदान करें।



स्टोलन फ्यूचर’, ‘एथेरिया: क्रॉसिंग द नाइन रियल्स’, ‘द सागा ऑफ शुक्राचार्य’ और ‘द फॉल ऑफ पंचवटी’ जैसी प्रस्तुतियों के साथ वेशभूषा एवं पात्र–रूप धारण करने वाली प्रस्तुति ने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बनाया। ‘स्टार स्टूडेंट ऑफ द ईयर’ खंड के अंतर्गत विद्यार्थियों की प्रतिभा को सम्मानित किया गया, जिसके बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। कार्यक्रम का संचालन सुश्री डी. खुशी एवं सुश्री ए. लीना ने किया, जबकि सुश्री अमीना खातून ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

‘एक्सप्रेशन्स 2026’ केवल एक साहित्यिक उत्सव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह ऐसा मंच बना जहाँ विचारों का आदान–प्रदान हुआ, कहानियों ने विभिन्न लोगों तक अपनी पहुँच बनाई और शब्द जीवंत हो उठे। इस आयोजन ने रचनात्मकता, साहित्य एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों को एक साथ जोड़ा।

यहाँ प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया तथा विचारोत्तेजक पोस्टर प्रस्तुत किए। इन पोस्टरों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जुड़े सामाजिक कलंक को दूर करने तथा भावनात्मक चुनौतियों का सामना कर रहे लोगों के प्रति सहानुभूति, समझ एवं सहयोग की भावना विकसित करने पर प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों की रचनात्मक अभिव्यक्तियों ने यह संदेश दिया कि मानसिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य का एक आवश्यक अंग है तथा बिना किसी झिझक या भेदभाव के सहायता प्राप्त करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इस पहल ने विद्यार्थियों को तथा व्यापक शैक्षणिक समुदाय के बीच जागरूकता, संवेदनशीलता एवं समग्र कल्याण को बढ़ावा देने के प्रति जेएनआरएम की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

मरीना पार्क में आज से लगेगा दो दिवसीय ‘एसएचजी मेला’

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय के अंतर्गत अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा 10 एवं 11 अक्टूबर को शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक मरीना पार्क में ‘एसएचजी मेला’ आयोजित किया जाएगा। इस मेले का आयोजन ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को प्रत्यक्ष विपणन एवं बिक्री का मंच उपलब्ध कराने तथा द्वीपसमूह के विभिन्न हिस्सों से स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए विविध उत्पादों को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। मेले में आने वाले लोग

विश्व दृष्टि दिवस एवं विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर कार्यक्रम संचालित

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

दिव्यांगजन सशक्तीकरण के लिए समग्र क्षेत्रीय केंद्र

(सीआरसी), अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह, बुक्शाबाद ने पंख गैर–सरकारी संगठन तथा डॉ. अग्रवाल आई हॉस्पिटल के सहयोग से हाल ही में अपने परिसर में विश्व दृष्टि दिवस सह विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस–2026 मनाया। कार्यक्रम में समाज कल्याण निदेशालय के निदेशक श्री मोहित मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि चिन्मय मिशन के स्वामी शुद्धानंद जी तथा स्वच्छ भारत अभियान के एम्बेस्डर पद्मश्री श्री नरेश चंदर लाल विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों, बच्चों, अभिभावकों, चिकित्सा विशेषज्ञों, गणमान्य व्यक्तियों तथा सीआरसी के कर्मचारियों सहित लगभग 95 लोगों ने भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए समाज कल्याण निदेशक ने द्वीपसमूह के दिव्यांगजनों को व्यापक पुनर्वास, उपचार संबंधी सेवाएँ तथा कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराने में सीआरसी, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के समर्पित प्रयासों की सराहना की। स्वामी शुद्धानंद जी ने बच्चों को आशीर्वाद दिया तथा प्रत्येक बच्चे को अपनी क्षमताओं का पूर्ण विकास करने में सक्षम बनाने के लिए करुणा, धैर्य और सामूहिक सहयोग के महत्व पर बल दिया। इस अवसर पर सीआरसी की निदेशक श्रीमती सुमिथामोल एस. ने कहा कि दिव्यांग बच्चों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए दिव्यांगता की शीघ्र पहचान, समय पर हस्तक्षेप तथा नियमित स्वास्थ्य जाँच अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगे कहा कि सीआरसी प्रत्येक

जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू में पशुजन्य रोगों पर जागृति लाई गई

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह–2026 के अंतर्गत जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू द्वारा कल विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा श्रमिकों के लिए पशुजन्य रोगों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पशुजन्य रोगों, उनके फैलने के तरीकों, बचाव के उपायों, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा पशुओं और उनके पर्यावरण के निकट संपर्क में रहकर कार्य करते समय अपनाई जाने वाली सुरक्षित कार्यप्रणालियों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना था। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पशुपालन एवं पशु चिकित्सा सेवा विभाग के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुभाष बी. पालवे ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विभिन्न पशुजन्य रोगों, उनके स्रोतों, संक्रमण फैलने के तरीकों तथा पशुओं के निकट संपर्क से जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

मध्य अण्डमान वन मंडल में 72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह का समापन

रंगत, 9 अक्टूबर।

मध्य अण्डमान वन मंडल, रंगत द्वारा आयोजित 72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह का कल समापन हुआ। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मध्य अण्डमान के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) श्री विकास यादव ने वन्यजीवों की सुरक्षा और अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की समृद्ध जैव विविधता के संरक्षण में सामूहिक प्रयासों और सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

समारोह के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रमों, विभिन्न प्रतियोगिताओं, वन्यजीव सप्ताह की उद्घाटन रैली तथा अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। इनका उद्देश्य विद्यार्थियों और आम जनता में वन्यजीवों की सुरक्षा तथा प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

विद्युत लाइनों के रखरखाव एवं कार्यों के कारण आज कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

आम जनता, बिजली उपभोक्ताओं एवं सरकारी विभागों को सूचित किया जाता है कि 10 अक्टूबर, 2026 को प्रातः 8 बजे से दोपहर 1 बजे तक शोल बे फरारगंज फीडर की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। इससे दुसनाबाद, ओग्राब्राज, बंगाली बस्ती से तिरुर क्षेत्र तक के इलाके प्रभावित होंगे। इसके अतिरिक्त, 10 अक्टूबर, 2026 को प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक आउटर फीडर की विद्युत आपूर्ति भी बंद रहेगी। इससे टेलराबाद एवं बिम्बलीटान क्षेत्र प्रभावित होंगे। यह विद्युत आपूर्ति दुसनाबाद जंक्शन क्षेत्र में कट प्वाइंट संरचना संबंधी कार्य, बिम्बलीटान बस्ती के निकट उच्च तनाव (एचटी) एवं निम्न तनाव (एलटी) विद्युत लाइनों के कार्य तथा उच्च तनाव विद्युत लाइन की निकासी संबंधी कार्य के कारण बाधित रहेगी।

यहाँ प्राप्त एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपर्युक्त कार्य मौसम की स्थिति अनुकूल रहने पर किए जाएंगे। यदि कार्य निर्धारित समय से पहले पूरा हो जाता है, तो

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के हस्तशिल्प, हस्तनिर्मित उत्पाद, खाद्य उत्पाद, नारियल आधारित उत्पाद, जूट व काँयर उत्पाद, मूल्यवर्धित उत्पाद तथा अन्य स्थानीय रूप से निर्मित वस्तुओं को देख एवं खरीद सकेंगे।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आम जनता से एसएचजी मेले में आने तथा उनके उत्पाद खरीदकर ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों को अपना सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया है। इससे मेले को सफल बनाने के साथ–साथ महिला नेतृत्व वाले ग्रामीण उद्यमों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

विश्व दृष्टि दिवस एवं विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस पर कार्यक्रम संचालित



दिव्यांगजन को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएँ, पुनर्वास सुविधाएँ तथा समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों, चिकित्सा विशेषज्ञों और सहयोगी संगठनों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण निःशुल्क दृष्टि जाँच शिविर तथा अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम रहा। इसके अंतर्गत बड़ी संख्या में दिव्यांगजनों और उनके परिवार के सदस्यों की आँखों की जाँच की गई तथा उन्हें चिकित्सकीय आकलन और परामर्श प्रदान किया गया।

इस अवसर पर पंख गैर–सरकारी संगठन की अध्यक्षा सुश्री कोमल आनंद और उनकी टीम को सीआरसी की व्यावसायिक प्रशिक्षण इकाई में बहुमूल्य योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने एक लेमिनेशन मशीन दान की, जिससे दिव्यांगजनों के कौशल विकास और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम का समापन स्वच्छता शपथ तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू में पशुजन्य रोगों पर जागृति लाई गई



जैविक उद्यान, चिड़ियाटापू के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. सैम वर्गीस ने बंदी अवस्था में रखे गए तथा बचाए गए वन्यजीवों के दैनिक प्रबंधन के दौरान उचित स्वच्छता, साफ–सफाई और जैव–सुरक्षा उपायों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया।

मध्य अण्डमान वन मंडल में 72वें वन्यजीव सप्ताह समारोह का समापन



प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रंगत तथा सेंट जेवियर्स स्कूल, रंगत के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी दीं। कार्यक्रम का समापन वन्यजीव सप्ताह–2026 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित करने के साथ हुआ।

विद्युत लाइनों के रखरखाव एवं कार्यों के कारण आज कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

संबंधित फीडर को तदनुसार चालू कर दिया जाएगा। विद्युत आपूर्ति बाधित होने से होने वाली असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया गया है।

13 एवं 14 अक्टूबर को भारी वर्षा की संभावना

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में 13 एवं 14 अक्टूबर, 2026 को एक–दो स्थानों पर भारी वर्षा (07 से 11 सेंमी) होने की प्रबल संभावना है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के तटीय क्षेत्रों में 10 अक्टूबर, 2026 को रात्रि 11.30 बजे तक 15 से 18 सेंकड़ के आवर्तकाल तथा 1.0 से 1.6 मिटर ऊँचाई वाली समुद्री लहरों का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा जारी चेतावनी में बताया गया है कि समुद्री लहरों में उफान आने की संभावना है। नौकाओं का संचालन अत्यधिक सतर्कता के साथ करने तथा समुद्र में मनोरंजक गतिविधियों के दौरान उचित सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

भारत के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र में हिंदी को बढ़ावा, गैर—आधिकारिक भाषा का दर्जा बरकरार

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर।

भारत के स्वैच्छिक सहयोग से संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक संचार विभाग (UNDGC) द्वारा हिंदी में समाचार और सोशल मीडिया सामग्री उपलब्ध कराए जाने के कारण हिंदी को संयुक्त राष्ट्र में गैर—आधिकारिक भाषा का दर्जा बरकरार है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने यह जानकारी दी। पी. हरीश ने गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में कहा कि हाल ही में महासभा द्वारा पारित बहुभाषावाद संबंधी प्रस्ताव में हिंदी का गैर—आधिकारिक भाषा का दर्जा बरकरार रखा गया है। इसका एक प्रमुख कारण वैश्विक संचार विभाग द्वारा हिंदी में समाचार और सोशल मीडिया सामग्री उपलब्ध कराना है।

उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र की ‘हिंदी एट यूएन’ परियोजना को स्वेच्छा से समर्थन दिया है। इस पहल के माध्यम से दुनिया भर में हिंदी बोलने और समझने वाले लोगों तक संयुक्त राष्ट्र की खबरें और सूचनाएं पहुंचाई जाती हैं। अंडोरा द्वारा सह—प्रायोजित बहुभाषावाद संबंधी प्रस्ताव पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में पारित हुआ था। इसमें गैर—आधिकारिक भाषाओं के सांस्‍तिक, राजनीतिक और कूटनीतिक महत्‍व को स्‍वीकार किया गया है। प्रस्ताव में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र के कामकाज में प्रतिनिधित्‍व और प्रभावी भागीदारी के लिए इन भाषाओं की महत्‍वपूर्ण भूमिका है। इसमें यह भी दोहराया गया है कि कोई भी प्रतिनिधि

कैंसर की दवाएं होंगी सस्ती, मरीजों पर कम होगा आर्थिक बोझ

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर।

कैंसर के इलाज को और किफायती बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने सभी नॉन—शेड्यूल्ड एंटी—कैंसर दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को अधिकतम 30 प्रतिशत तक सीमित करने का फैसला किया है। इस दायरे में ब्रांडेड और जेनेरिक, घरेलू और आयातित, पेटेंटेड और नॉन—पेटेंटेड-सभी तरह की एंटी—कैंसर दवाएं शामिल होंगी।

इस कदम का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में होने वाली अत्यधिक बढ़ोतरी को नियंत्रित करना और कैंसर मरीजों के जेब से होने वाले खर्च यानी आउट—ऑफ—पॉकेट एक्सपेंडिचर को कम करना है।

भारत—आसियान व्यापार समझौते की समीक्षा में तेजी, लंबित मुद्दे जल्द सुलझाने पर जोर

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर।

भारत और आसियान देशों ने आसियान—भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा प्रक्रिया को गति देने और लंबित मुद्दों का समयबद्ध समाधान निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई है। इसी क्रम में 6 से 9 अक्टूबर 2026 तक इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता स्थित आसियान सचिवालय में एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की 15वीं बैठक और संबंधित उप—समितियों की बैठकें आयोजित की गईं। हाइब्रिड प्रारूप में हुई इन बैठकों में समझौते की प्रगति की समीक्षा के साथ द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई।

15वीं एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की बैठक की सह—अध्यक्षता भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के अपर सचिव नितिन कुमार यादव और मलेशिया के निवेश, व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय की उप महासचिव (व्यापार) मस्तुरा अहमद मुस्तफा ने की। बैठक में ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओ पीडीआर, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम सहित आसियान के सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

संयुक्त समिति के अंतर्गत आने वाली आठ उप—समितियों में से तीन ने इस दौरान हाइब्रिड प्रारूप में बैठकें कीं। इनमें कानूनी एवं संस्थागत मुद्दों पर उप—समिति (एससी—एलआईआई), गैर—टैरिफ उपायों से संबंधित उप—समिति (एससी—एनटीएमए) और उत्पत्ति के नियमों

कनाडा की कवयित्री और निबंधकार ऐनी कार्सन को मिला साहित्य का नोबेल पुरस्कार

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर।

कनाडा की कवयित्री, निबंधकार और अनुवादक ऐनी कार्सन को साहित्य का नोबेल पुरस्कार उनकी उन रचनाओं के लिए मिला, जिनमें शास्त्रीय और आधुनिक शैलियों का मिश्रण है। टोरंटो में जन्मीं 76 वर्षीय कार्सन अपनी रचनाओं के लिए प्राचीन ग्रीक और रोमन साहित्य के विषयों और कहानियों का सहारा लेती हैं। उनकी रचनाओं में अक्सर कविता, निबंध और गल्प (फिक्शन) के तत्व आपस में घुले—मिले होते हैं। पुरस्कार राशि एक करोड़ दो लाख स्वीडिश क्रोनर यानी करीब साढ़े ग्यारह करोड़ रुपये है।

स्वीडिश अकादमी के स्थायी सचिव ने बताया कि जब अकादमी ने लेखिका को उनकी जीत की सूचना देने के लिए संपर्क किया, तो वह आइसलैंड में “listening to the wind” सुन रही थीं। इग्रिड कार्लबर्ग ने कहा कि वह बहुत अवचर्चित हुईं।

कार्सन साहित्य के नोबेल पुरस्कार के हालिया हाई—प्रोफाइल विजेताओं में से एक हैं। यह पुरस्कार

‘मिनी इंडिया’, खादी महोत्सव में 115 स्टॉलों पर दिखी स्वदेशी उत्पादों की विविधता

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर। राजधानी के आईएनए स्थित दिल्ली हाट में खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को बढ़ावा देने तथा स्वदेशी उद्यमिता को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से ‘खादी महोत्सव-2026’ के तहत विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय की ओर से आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्घाटन केवीआईसी के अध्यक्ष मनोज गोयल ने किया। 15 अक्टूबर 2026 तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में कुल 115 स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें 48 स्टॉल खादी के हैं, जबकि शेष स्टॉल ग्रामोद्योग

गैर—आधिकारिक भाषा में अपना वक्तव्य दे सकता है।

पी. हरीश ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र में बहुभाषावाद का लगातार समर्थन करता रहा है और इस विषय से जुड़े प्रस्तावों का सह—प्रायोजक भी रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भाषा का सबसे बड़ा महत्व लोगों और उनकी संस्‍ति को जोड़ने में है, न कि उन्हें बांटने में।

बहुभाषावाद संबंधी प्रस्ताव का समर्थन करने वाले अंडोरा के स्थायी प्रतिनिधि जोआन फोर्नर रोविरा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर का अनुच्छेद 1 अंतरराष्ट्रीय सहयोग और मानवाधिकारों तथा मौलिक स्वतंत्रताओं के सम्मान को बढ़ावा देने की बात करता है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने में भाषा की महत्वपूर्ण भूमिका है।

रोविरा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र में भाषा कूटनीति के सबसे महत्वपूर्ण साधनों में से एक है। भाजपा सांसद सी.पी. जोशी ने कहा कि हिंदी दुनिया भर में अपनी पहचान मजबूत कर रही है और उसका प्रभाव भारत की सीमाओं से काफी आगे तक पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक संचार विभाग और भारत के बीच 2018 में एक समझौता ज्ञापन हुआ था। इसके तहत भारत के स्वैच्छिक आर्थिक सहयोग से संयुक्त राष्ट्र की खबरें हिंदी में उपलब्ध कराई जाती हैं। जोशी के अनुसार, पिछले वर्ष इस समझौते को पांच और वर्षों के लिए नवीनीकृत किया गया।

सरकारी अनुमान के मुताबिक, इस फैसले से कुछ दवाओं के एमआरपी में 70 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है और मरीजों को हर साल करीब 2,500 करोड़ रुपये की बचत होने का अनुमान है।

इससे पहले 2019 में भी कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को नियंत्रित करने की पहल की गई थी। उस कदम से 526 ब्रांड्स पर हर साल करीब 984 करोड़ रुपये की बचत होने की जानकारी दी गई थी। नई व्यवस्था के जरिए सरकार का फोकस कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में दवाओं की उपलब्धता बनाए रखते हुए उन्हें मरीजों के लिए अधिक किफायती बनाने पर है।

भारत और आसियान देशों ने आसियान—भारत वस्तु व्यापार समझौते (एआईटीआईजीए) की समीक्षा प्रक्रिया को गति देने और लंबित मुद्दों का समयबद्ध समाधान निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई है। इसी क्रम में 6 से 9 अक्टूबर 2026 तक इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता स्थित आसियान सचिवालय में एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की 15वीं बैठक और संबंधित उप—समितियों की बैठकें आयोजित की गईं। हाइब्रिड प्रारूप में हुई इन बैठकों में समझौते की प्रगति की समीक्षा के साथ द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने और आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई।



पर उप—समिति (एससी—आरओओ) शामिल रहीं। इन बैठकों का उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच सहयोग को गहरा करना, आपसी समझ बढ़ाना और लंबित विषयों पर रचनात्मक संवाद को आगे बढ़ाना था।

संयुक्त समिति ने सभी उप—समितियों को एआईटीआईजीए की समीक्षा के तहत लंबित अध्यायों को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही, टोस और समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित करने तथा प्रगति को मापने योग्य बनाने के लिए आपसी समन्वय मजबूत करने पर जोर दिया गया। इसका उद्देश्य वार्ता प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने हुए समझौते के आधुनिकीकरण की दिशा में टोस प्रगति सुनिश्चित करना है।

एआईटीआईजीए संयुक्त समिति की अगली बैठक जनवरी 2027 में भारत में हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में विभिन्न उप—समितियों की ओर से अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की जाएगी।

विज्ञान केंद्र में 10 एवं 11 अक्टूबर को विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

गुडविल एस्टेट, कार्बाइंस कोव रोड स्थित विज्ञान केंद्र द्वारा आम आगंतुकों के लिए 10 एवं 11 अक्टूबर, 2026 को शाम के समय विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों में स्काई शो शाम 5.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक, 3डी शो शाम 5.30 बजे से शाम 6.15 बजे तक, बबल शो 6.15 बजे शामिल हैं।

स्काई शो के दौरान आगंतुकों को श्री विजय पुरम के आकाश का एक आकाशीय मानचित्र उपलब्ध कराया जाएगा, जिसकी सहायता से वे ग्रहों तथा अन्य खगोलीय पिंडों की पहचान कर सकेंगे। आगंतुक शक्तिशाली दूरबीन के माध्यम से शनि ग्रह और उसके विशाल छल्लों को देखने का रोमांचक अनुभव भी प्राप्त कर सकेंगे। शनि ग्रह अपने

प्रसारण सहायकों के पैनल में शामिल होने के लिए चयन परीक्षा, आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

श्री विजय पुरम, 9 अक्टूबर।

आकाशवाणी श्री विजय पुरम द्वारा प्रसारण सहायकों के पैनल में शामिल करने के लिए चयन परीक्षा आयोजित की जाएगी।

इस चयन के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होना, हिंदी एवं अंग्रेजी भाषाओं में दक्षता तथा कंप्यूटर का ज्ञान होना अनिवार्य है। उम्मीदवारों की अधिकतम आयु सीमा 31 अगस्त, 2026 को 40 वर्ष निर्धारित की गई है।

यहाँ प्राप्त एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपर्युक्त योग्यताएँ पूरी करने वाले तथा श्री विजय पुरम की नगरपालिका

मायाबंदर में द्वितीय खंड स्तरीय समावेशी खेलकूद प्रतियोगिता हुई

मायाबंदर, 9 अक्टूबर।

समग्र शिक्षा के अंतर्गत उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले के मायाबंदर शिक्षा खंड के खंड परियोजना कार्यालय द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2026—2027 के लिए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) की द्वितीय खंड स्तरीय समावेशी खेलकूद प्रतियोगिता 8 अक्टूबर को प्राथमिक स्तर तथा 9 अक्टूबर को माध्यमिक स्तर के लिए नेताजी खेल परिसर, मायाबंदर में आयोजित की गई। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. आर. पी. अस्पताल, मायाबंदर की आयुष चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रियंका इक्वाल ने किया। वहीं, समापन समारोह में उत्तर व मध्य अण्डमान के मायाबंदर निर्वाचन क्षेत्र की जिला परिषद सदस्य श्रीमती पी. चंद्रावती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। मायाबंदर खंड के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने खेलकूद एवं मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सरकार एक महीने में महत्वपूर्ण खनिजों के भंडारण की नीति को दे सकती है अंतिम रूप

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर।

सरकार महत्वपूर्ण खनिजों के भंडारण की नीति की घोषणा करीब एक महीने में कर सकती है। एक सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस कदम का उद्देश्य रक्षा, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स और वैमानिकी समेत रणनीतिक क्षेत्रों की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों का भंडार बनाए रखना है। खान सचिव केशव चंद्र ने नई दिल्ली में पत्रकारों से कहा, “हम महत्वपूर्ण खनिजों के भंडारण की नीति को अंतिम रूप देने के करीब हैं। इसकी घोषणा करीब एक महीने में की जाएगी।” उन्होंने उद्योग मंडल ‘एसोचैम’ द्वारा आयोजित ‘इंडिया माइंस एंड मिनरल्स कॉन्क्लेव 2026’ से इतर यह बात कही। अधिकारी

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से आज ही दिन मनाया जाता है ‘विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस’

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस हर साल 10 अक्टूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और तनाव, चिंता, अवसाद जैसी समस्याओं को लेकर खुलकर बात करने के लिए प्रोत्साहित करना है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में काम का दबाव, खराब नींद, सोशल मीडिया का अधिक इस्तेमाल और निजी जीवन की परेशानियां मानसिक सेहत पर असर डाल सकती हैं।

ऐसे में मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए रोजमर्रा की कुछ छोटी लेकिन प्रभावी आदतों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाना बेहद जरूरी है। अगर आप भी अपने मन को स्वस्थ और तनावमुक्त रखना चाहते हैं, तो आज से ही इन आसान आदतों को अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त नींद बेहद जरूरी है। कोशिश करें कि रोजाना एक निश्चित समय पर सोएं और जागें। देर रात तक मोबाइल चलाने की आदत कम करें, क्योंकि अच्छी नींद मूड, एकाग्रता और दिनभर की ऊर्जा को बेहतर बनाए रखने में मदद करती है। शारीरिक गतिविधि को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। रोज 20—30 मिनट वॉक करना, योग करना, स्ट्रेचिंग या अपनी पसंद की एक्सरसाइज करना तनाव और मानसिक थकान को कम करने में मदद कर सकता है। शुरुआत हल्की एक्सरसाइज से की जा सकती है।

लगातार फोन और सोशल मीडिया का इस्तेमाल दिमाग को थका सकता है। दूसरों की जिंदगी से अपनी तुलना करने की आदत भी तनाव बढ़ा सकती है। इसलिए दिन में कुछ समय फोन और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर खुद को डिजिटल ब्रेक दें।

अगर किसी बात को लेकर परेशान हैं तो उसे मन में दबाकर न रखें। परिवार के सदस्य, दोस्त या किसी भरोसेमंद

विशाल छल्लों के कारण लोकप्रिय रूप से ‘छल्लों का स्वामी’ के नाम से भी जाना जाता है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बबल शो एक मनोरंजक कार्यक्रम है, जिसे सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है, ताकि वे अपने बच्चों के साथ इसका आनंद ले सकें। इस कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनकर्ता छोटे बुलबुलों से लेकर विशाल बुलबुलों तक विभिन्न प्रकार के बुलबुले बनाएंगे। इनमें बच्चों के सबसे पसंदीदा डोरेमोन बुलबुले, घनाकार बुलबुले, कैटरपिलर बुलबुले, अग्नि बुलबुले तथा कई अन्य प्रकार के बुलबुले शामिल होंगे।

स्काई शो एवं बबल शो में प्रवेश शुल्क प्रत्येक कार्यक्रम के लिए 10 रुपये प्रति व्यक्ति होगा, जबकि 3डी शो का प्रवेश शुल्क 20 रुपये प्रति व्यक्ति निर्धारित किया गया है।

सीमा के भीतर निवास करने वाले उम्मीदवार निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते हैं। आवेदन पत्र आकाशवाणी श्री विजय पुरम के ड्यूटी कक्ष से प्राप्त किया जा सकता है। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र आकाशवाणी श्री विजय पुरम में जमा किए जा सकते हैं।

पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 20 अक्टूबर, 2026 कर दी गई है। प्रसारण सहायक के रूप में चयनित होने से भविष्य में नियमित रोजगार प्राप्त करने का कोई अधिकार नहीं मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार आकाशवाणी श्री विजय पुरम से संपर्क कर सकते हैं।

एस्टोनिया ने भारतीय आईटी पेशेवरों को यूरोप में व्यावसायिक अवसर तलाशने के लिए किया आमंत्रित

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर। एस्टोनिया ने भारतीय आईटी पेशेवरों और प्रौद्योगिकी कंपनियों को अपने ई—रेजिडेंसी कार्यक्रम के माध्यम से यूरोप में व्यावसायिक अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया है। एस्टोनिया की न्याय और डिजिटल मामलों की मंत्री लीजा पाकोस्टा ने कहा कि भारतीय प्रतिभाओं का हार्दिक स्वागत है। आज नई दिल्ली में आयोजित इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दौरान मीडिया से बातचीत में पकोस्टा ने एस्टोनिया की ई—रेजिडेंसी पहल का उल्लेख किया। यह पहल उद्यमियों को एस्टोनिया स्थानांतरित हुए बिना यूरोपीय संघ में डिजिटल रूप से कंपनियां स्थापित करने की सुविधा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित भारत—यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता विशेष रूप से डिजिटल सेवा क्षेत्र में सहयोग को और बढ़ा सकता है। एस्टोनियाई मंत्री ने भारत की तकनीकी विशेषज्ञता और मजबूत अनुसंधान तथा विकास प्रणाली की भी प्रशंसा की और नवीन समाधान विकसित करने के लिए भारतीय कंपनियों और पेशेवरों के साथ साझेदारी करने में अपने देश की रुचि व्यक्त की।